मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 302
शुक्रवार, 22 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

उत्तर भारत में भीषण गर्मी का 'रेड अलर्ट', दिल्ली-एनसीआर बना 'आग का गोला', अगले 3 दिन भारी

नई दिल्ली, 21 मई। उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की मार झेल रहा हैं। दिल्ली समेत कई राज्यों में लगातार चौथे दिन लू जैसी स्थिति बनी हुई हैं और लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी राहत मिलने की संभावना फिलहाल कम दिखाई दे रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, दिल्ली के रिज क्षेत्र में गुरुवार को अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया हैं, जो दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक रहा हैं। वहीं सफदरजंग, जिसे राजधानी का आधिकारिक मौसम केंद्र माना जाता हैं, वहां तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ हैं। पालम इलाके में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

बता दें कि लगातार बढ़ती गर्मी का असर बिजली खपत पर भी साफ दिखाई दे रहा हैं। दिल्ली में गुरुवार को बिजली की मांग इस सीजन के सबसे ऊंचे स्तर 8,231 मेगावाट तक पहुंच गई हैं। इससे पहले बुधवार को पहली बार इस साल बिजली की मांग 8,000 मेगावाट के पार गई थी। गौरतलब है कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ हैं। देश में सबसे अधिक तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा में 47.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में 47.1 डिग्री, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 47 डिग्री और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 46.6 डिग्री सेल्सियस तापमान

दर्ज हुआ है।

मौसम विभाग का कहना हैं कि निचले वातावरण में चल रही शुष्क पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण गर्मी लगातार बढ़ रही हैं। साथ ही फिलहाल कोई पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं हैं, जिससे अगले कुछ दिनों तक राहत की उम्मीद कम हैं। विभाग ने चेतावनी दी हैं कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में 27 से 28 मई तक भीषण लू चल सकती है।

उत्तर प्रदेश में स्थिति और ज्यादा गंभीर मानी जा रही हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के कई इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया हैं। अगले तीन दिनों तक गंभीर लू और गर्म रातों की चेतावनी दी गई हैं। कई जिलों में तापमान पहले ही 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। हालांकि देश के दूसरे हिस्सों से कुछ राहत भरी खबर भी सामने आई हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ना शुरू कर दिया हैं।

मौसम विभाग का अनुमान हैं कि आने वाले दिनों में मानसून केरल समेत दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में प्रवेश कर सकता है।

मौसम विभाग ने अगले सात दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, केरल और दक्षिणी कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना जताई हैं। इसके अलावा कई राज्यों में तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है।

राहुल गांधी ने NEET Scam पर मांगा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नई दिल्ली, 21 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर NEET परीक्षा के पेपर लीक विवाद को लेकर चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए भविष्य में इस तरह की लीक को रोकने के लिए एक मजबूत परीक्षा प्रणाली लागू करने की बात कही। राहुल ने कहा कि कांग्रेस देशभर में बार-बार पेपर लीक के आरोपों से प्रभावित छात्रों के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

राहुल गांधी ने पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते और देश में पेपर लीक को रोकने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित प्रणाली लागू नहीं हो जाती। यह लड़ाई हर उस छात्र के लिए है जिसका भविष्य इस विफल सरकार ने छीन लिया है। राहुल ने आरोप लगाया कि देश भर के छात्रों को बार-बार परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण विरोध प्रदर्शन करने के

लिए मजबूर होना पड़ा और सरकार पर इस मामले में जिम्मेदारी न लेने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब मोदी जी इटली में मिठाई बांटने के वीडियो बना रहे थे, तब भारत के युवा प्रश्नपत्र लीक से परेशान होकर सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे थे। कांग्रेस सांसद ने आगे दावा किया कि NEET प्रश्नपत्र लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया और आरोप लगाया कि कई छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान को पद से न हटाने के लिए केंद्र की आलोचना भी की और भाजपा शासित राज्यों पर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठियों से देती है, वह जवाबदेही पर नहीं चलती झ वह डर पर चलती है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष परीक्षा सुधार और जवाबदेही के लिए अपना अभियान जारी रखेगा। गुरुवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने NEET स्नातक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय की ओर मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स पर रोक दिया, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए जल प्रस्फुटन का इस्तेमाल किया और विरोध प्रदर्शन के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित NEET-UG परीक्षा, जो 3 मई को हुई थी, पेपर लीक के आरोपों के बाद दो दिन बाद रद्द कर दी गई।

बकरीद से पहले दिल्ली सरकार ने निगरानी बढ़ाई, अवैध पशुवध के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश

नई दिल्ली, 21 मई। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन पर्व से पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी में कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक स्वच्छता और पशु कल्याण को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने वीरवार को एक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय राजधानी में अवैध पशु वध, अनधिकृत पशु व्यापार और पशुओं के प्रति क्रूरता के खिलाफ निगरानी और कार्रवाई तेज की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पशुओं के गैर-कानूनी परिवहन और नियमों को ताक पर रखने वालों के खिलाफ सख्त

कानूनी कदम उठाए जाएं।

सार्वजनिक स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने निर्देश दिया है कि सड़कों, गलियों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की कुबार्नी नहीं दी जानी चाहिए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कुबार्नी की अनुमति केवल अधिकृत और निर्धारित स्थानों पर ही दी जाएगी। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर पशुओं की खरीद-बिक्री को भी अवैध घोषित किया गया है और ऐसी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। सरकार ने धार्मिक और कानूनी प्रावधानों के तहत गायों, बछड़ों, ऊंटों और अन्य निषिद्ध जानवरों के वध या उनकी कुबार्नी पर लगे पूर्ण प्रतिबंध को पूरी सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। विकास मंत्री ने अधिकारियों को आगाह किया कि इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अमित शाह पर टिप्पणी केस में अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत

कोलकता, 21 मई। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल पुलिस को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनावी रैलियों में कथित बयानों को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बनर्जी को न्यायालय की अनुमति के बिना देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें जांच में पूर्ण सहयोग करना होगा। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि एफआईआर में उल्लिखित आरोपों की गहन जांच आवश्यक है और जांच जारी रखने की अनुमति दी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि जांच एजेंसी टीएमसी सांसद को पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, तो उसे कम से

कम 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा भेजे गए नोटिस का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। डायमंड हार्बर से सांसद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले 27 अप्रैल को एक सार्वजनिक सभा में प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ अपनी टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। बनर्जी द्वारा दिए गए गैरजिम्मेदाराना बयानों पर सवाल उठाते हुए, न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर टीएमसी चुनाव जीत जाती तो क्या होता। उन्होंने कहा कि इस राज्य में चुनाव के बाद हिंसा का एक बेहद भयावह इतिहास रहा है। न्यायाधीश ने आगे पूछा कि क्या जनसभा में बनर्जी की टिप्पणियां तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव के पद के अनुरूप थीं। उन्हें 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करते हुए, न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 20 जुलाई को फिर से करेगा। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने बनर्जी की याचिका का विरोध किया, लेकिन कहा कि जांच कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। इससे पहले, पश्चिम बंगाल पुलिस ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने के आरोप में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

आंधी-तूफान में 3 लोगों की मौत, एक अन्य घायल

ओडिशा। ओडिशा के क्योंझर जिले में बृहस्पतिवार को तेज आंधी-तूफान के दौरान एक अस्थायी आश्रय (टेंट हाउस) के गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यह घटना नारणपुर इलाके में हुई, जहां कुछ लोग दोपहर के समय तेज गर्मी से बचने के लिए टेंट हाउस में आराम कर रहे थे।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "भारी बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण टेंट हाउस गिर गया। उस समय लोग अंदर सो रहे थे।" घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं तथा बचाव अभियान चलाया। बाद में मलबे के नीचे से शव निकाले गए।

पाकिस्तान में आटे का बड़ा संकट, 40% फ्लोर मिलें बंद, पंजाब सरकार पर फूटा गुस्सा

पाकिस्तान, 21 मई। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आटा संकट तेजी से गहराता जा रहा है। रावलपिंडी और इस्लामाबाद क्षेत्र में करीब 40 प्रतिशत फ्लोर मिलें भारी आर्थिक नुकसान के कारण बंद हो चुकी हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर सरकार ने जल्द सुधार नहीं किए तो हालात और खराब हो सकते हैं।पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोर मिल मालिकों ने पंजाब सरकार की नीतियों को इस संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पूर्व उपाध्यक्ष Pakistan Flour Mills Association चौधरी अफजल महमूद एडवोकेट ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को संबोधित एक अपील में कहा कि सरकार की गलत और असंगत नीतियां पूरे उद्योग को तबाही की ओर धकेल रही हैं।

तमिलनाडु में फिर राष्ट्रगान पर बवाल

तमिलनाडु , 21 मई। तमिलनाडु में गुरुवार को लोक भवन में नवनियुक्त मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राजकीय गीत 'तमिल थाई वाझथु' को बजाने के क्रम को लेकर एक बार फिर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विवाद का केंद्र बिंदु वंदे मातरम और राष्ट्रगान के बाद गाए जाने वाले मंगलाचरण गीत को लेकर है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम के नेताओं ने इस क्रम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य में सरकारी

समारोहों की शुरूआत में पारंपरिक रूप से तमिल राष्ट्रगान 'थाई वाझथु' गाया जाता रहा है।

इसी तरह का विवाद 10 मई को विजय के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भी सामने आया था, जब कथित तौर पर 'वंदे मातरम' और 'जन गण मन' के बाद तमिल राष्ट्रगान गाया गया था। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल को तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देनी चाहिए और साथ ही तमिल जनता की भावनाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

वीरपांडियन ने पत्रकारों से कहा कि हम दोहराते हैं कि राज्यपाल को तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

-ललित गर्ग

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्व, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल ह्लहिंदू विरोधह्व बनाम ह्लराजनीतिक विरोधह्व के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ह्लधर्म बनाम धर्मह्व की लड़ाई से ऊपर उठकर ह्लजन बनाम जनसमस्याह्व के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है- समावेश, करुणा और सहअस्तित्व। राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।.

यदि बंगाल में भाजपा सरकार नहीं बनती तो चिकन नेक का विकास असंभव था

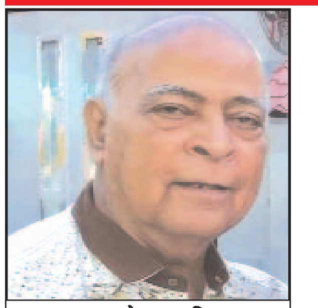

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सरकार के गठन और सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे 'चिकन नेक' कहा जाता है, के विकास और सुरक्षा से जुड़ी लंबित फाइलों को केवल 15 दिनों के भीतर जिम्मेदारी सौंपी दी गई है। जिन हिस्सों की जिम्मेदारी सौंपी गई उनमें से कई हिस्से संकरे और संवेदनशील ह्लचिकन नेकह्व कॉरिडोर से होकर गुजरते हैं, जो पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जमीन से जुड़ा एकमात्र रास्ता है।बंगाल की नई सरकार ने अपने शुरूआती फैसलों में से एक में, नेशनल हाईवे के सात हिस्सों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपने की मंजूरी दे दी है।

इस कदम का असर न सिर्फ. इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास जैसे सड़कों की मरम्मत और चौड़ीकरण और व्यापार पर पड़ेगा, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। यह ऐसा विषय हैं जिसपर भाजपा हमेशा से बातें करती रही हैं। अब केंद्र और बंगाल, दोनों जगहों पर भाजपा सत्ता में है।

सौंपे गए सात हिस्सों में से पांच सिलीगुड़ी कॉरिडोर या ह्लचिकन नेक से होकर गुजरते हैं। यह 60 किलोमीटर लंबा एक इलाका है, जो अपनी सबसे संकरी जगह पर महज 20-22 किलोमीटर चौड़ा है और नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच फंसा हुआ है, जबकि इसके उत्तर में सिक्किम के पार चीन स्थित है। इस कॉरिडोर में किसी भी तरह की रुकावट से आठ पूर्वोत्तर राज्यों के साथ कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा जानकारों ने इस क्षेत्र में ज्यादा चौड़े और ज्यादा मजबूत हाईवे की जरूरत पर बार-बार जोर दिया है, खासकर 2017 में चीन के साथ डोकलाम गतिरोध (भारत-भूटान-चीन के मिलन बिंदु पर) और बार-बार होने वाले भूस्खलन को ध्यान में रखते हुए, जिससे अक्सर सिक्किम और पहाड़ी इलाकों से संपर्क टूट जाता है।

बंगाल मुख्य सचिव के दफ़्तर से जारी एक प्रेस नोट में कहा गया है, ह्लपश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य लोक निर्माण विभाग के ठल्ह विंग से राष्ट्रीय राजमार्गों के सात हिस्सों को NHAI और NHIDCL को सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि ये प्रस्ताव केंद्रीय एजेंसियों के बार-बार अनुरोधों के बावजूद लगभग एक साल से राज्य सरकार के पास लंबित थे और औपचारिक रूप से सौंपे जाने के अभाव में इन हिस्सों पर काम रुका हुआ था। भाजपा ने इन हिस्सों को केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने में हुई देरी को लेकर ममता बनर्जी की पिछली सरकार पर लगातार हमले किए थे। भाजपा ने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ जिसे उसने तृणमूल सरकार की ओर से बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। आरोपों में कहा गया था कि उत्तरी बंगाल के सीमावर्ती जिलों की आबादी का स्वरूप बदलकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को और भी ज्यादा कमजोर कर दिया है। साल 2020 में दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों के आरोपी शरजील इमाम ने कहा था कि अगर 5 लाख मुसलमान भी इकट्ठा हो जाएं तो चिकन नेक को बंद करके भारत को भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से पूरी तरह काटा जा सकता है। शरजील इमाम ये बात इसलिए कह रहा था, क्योंकि चिकन नेक के इलाके को मुस्लिम अक्सरियत माना जाता है। मुस्लिम अक्सरियत का मतलब ये है कि यहां मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। अब ये बात इतनी खतरनाक थी कि इसके कारण शरजील इमाम को आज तक अदालत से जमानत नहीं मिली। जबकि केंद्र सरकार ने भी ऐसी कई कोशिशें कीं, जिससे चिकन नेक का इलाका उसकी एजेंसियों और बीएसएफ को पूरी तरह मिल जाए। ममता बनर्जी को इसके लिए कई प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुईं।

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद, भाजपा ने यह हवाला देकर कहा था कि बांग्लादेश से आने वाली कट्टरपंथी और भारत-विरोधी आवाजें चिकन नेक को काटकर भारत को कमजोर करने की बातें कर रही हैं। जहां एक तरफ ममता यह दलील देती रहीं कि सीमा प्रबंधन केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, वहीं भाजपा ने दावा किया कि केवल डबल-इंजन वाली सरकार ही इस नाजुक रास्ते को मजबूत बनाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने बताया कि यह हस्तांतरण फैसला उन राजमार्गों के लंबे समय से अटके विस्तार, मजबूतीकरण और मरम्मत के काम में तेजी ला सकता है, जिन्हें रक्षा लॉजिस्टिक्स, व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए बेहद अहम माना जाता है। खास तौर पर, NH10 मॉनसून से होने वाले नुकसान की चपेट में आता रहा है, जिससे सिक्किम को होने वाली सप्लाई में बार-बार रुकावटें आती रही हैं। दार्जिलिंग को जोड़ने वाले NH110 को भी सालों से भूस्खलन, जमीन धंसने और ट्रैफिक जाम जैसी पुरानी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस पूरे क्षेत्र को 'चिकन नेक' इसलिए कहा जाता है क्योंकि भौगोलिक रूप से इसका आकार मुर्गी की गर्दन जैसा पतला है। यह पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी के पास स्थित है। लगभग 60 किलोमीटर लंबे इस पूरे इलाके की सबसे संकरी जगह महज 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी है। आकार में छोटा होने के बावजूद यह भारत का सबसे संवेदनशील भूभाग माना जाता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर सिर्फ आंतरिक रूप से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसकी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं इसे और भी संवेदनशील बनाती हैं। यह इलाका नेपाल और बांग्लादेश की सीमाओं से घिरा हुआ है। इसके साथ ही, सिक्किम और तिब्बत की चुंबी वैली सहित भूटान का डोकलाम ट्राई-जंक्शन भी इसके बेहद करीब स्थित है। चीन की नजरें हमेशा इस इलाके के पास टिकी रहती हैं, जिससे इस भूभाग पर किसी भी तरह का प्रशासनिक या ढांचागत व्यवधान पूरे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

गौरतलब है कि इन प्रमुख रणनीतिक मार्गों का सीधा नियंत्रण केंद्र सरकार के पास आने का सबसे बड़ा फायदा भारतीय सेना को मिलेगा। यहां सेना की 33 कोर सहित कई अन्य महत्वपूर्ण सैन्य इकाइयां तैनात रहती हैं। उत्तर-पूर्व की सीमाओं पर साजो-सामान, भारी हथियार और सैनिकों की त्वरित तैनाती के लिए इन सड़कों का हर समय बेहतरीन स्थिति में होना बेहद जरूरी है। अब केंद्र के सीधे नियंत्रण से सामरिक तैयारी मजबूत होगी और आपातकालीन स्थितियों में सेना बिना किसी रुकावट के तेजी से कदम उठा सकेगी।

अब तक राज्य और केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों के बीच आपसी तालमेल और प्रशासनिक मंजूरियों के अभाव में इन राजमार्गों के चौड़ीकरण और मरम्मत का काम सालों से अधर में लटका हुआ था। एनएच-10 और एनएच-55 जैसे महत्वपूर्ण मार्ग जो सिक्किम और दार्जिलिंग को जोड़ते हैं, वे अक्सर भूस्खलन और खराब रखरखाव से प्रभावित रहते थे। अब एनएचएआई सीधे तौर पर इन सड़कों का जिम्मा संभालेगी, जिससे फंड की कमी या फाइलों के अटके रहने जैसी प्रशासनिक देरी गुजरे जमाने की बात हो जाएगी।

इन रणनीतिक मार्गों के सुचारू होने से सिक्किम, दार्जिलिंग और पूरे उत्तर-पूर्व के पर्यटन और स्थानीय व्यापार को नई रफ्तार मिलेगी। सड़कों की हालत सुधरने से परिवहन की लागत कम होगी और समय की बचत होगी। इसके अलावा, बदलते वैश्विक और भू-राजनीतिक हालातों को देखते हुए इस 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी का केंद्र के मजबूत नियंत्रण में होना बेहद आवश्यक था। यह कदम भारत को किसी भी बाहरी नाकाबंदी या सामरिक चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह सक्षम बनाता है।अब नियंत्रण हस्तांतरण से रक्षा रसद, व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के लिए आवश्यक राजमार्गों के लंबे समय से रुके हुए उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और मरम्मत कार्यों में तेजी आ सकती है। केंद्र सरकार द्वारा इन महत्वपूर्ण रणनीतिक मार्गों की सीधी निगरानी से भारतीय सेना को काफी लाभ होगा। यह क्षेत्र कई महत्वपूर्ण सैन्य इकाइयों का घर है।

बताया जाता है कि भारत सरकार इस इलाके में अंडरग्राउंड रेल नेटवर्क बना रही है ताकि भविष्य में अगर किसी आपातकालीन स्थिति में सड़क मार्ग अवरुद्ध भी हो जाए, तब भी सेना की आवाजाही जारी रहे और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों का भारत से संपर्क टूटे नहीं। पार्टी का दावा है कि नई सरकार बनने के बाद इस दिशा में तेजी से फैसले लिए जा रहे हैं। वहीं विपक्षी दलों का आरोप है कि इस मुद्दे को धार्मिक और वोटबैंक की राजनीति से जोड़कर पेश किया जा रहा है। उनका कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले सभी समुदायों के लोग देशभक्त हैं और सुरक्षा के सवाल को सांप्रदायिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

सुख समृद्धि का नव संदेश–हमारा प्यारा उत्तर प्रदेश

-विक्रम दयाल

भारत की आत्मा यदि किसी प्रदेश में सबसे गहराई से बसती है, तो वह उत्तर प्रदेश है। यह वह पावन धरती है जहाँ सभ्यता ने संस्कार सीखे, जहाँ गंगा-जमुनी तहजीब ने प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया, और जहाँ इतिहास, संस्कृति, धर्म, राजनीति तथा विकास एक साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं। आज का उत्तर प्रदेश केवल अपनी प्राचीन विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती प्रगति, आधुनिक विकास और जनकल्याण की योजनाओं के कारण भी पूरे देश को सुख और समृद्धि का नव संदेश दे रहा है। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है, इसलिए इसकी प्रगति का अर्थ केवल एक प्रदेश का विकास नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की उन्नति है। आज यह प्रदेश नई ऊर्जा, नई सोच और नए संकल्प के साथ विकास की ओर अग्रसर है। गाँवों से लेकर महानगरों तक परिवर्तन की एक नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव की भूमि :उत्तर प्रदेश की पहचान उसकी महान सांस्कृतिक विरासत से है। यह वही भूमि है जहाँ भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या है, जहाँ भगवान कृष्ण ने मथुरा और वृंदावन में अपनी बाल लीलाएँ कीं, और जहाँ काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी आज भी विश्व को अध्यात्म का प्रकाश देती है। प्रयागराज का कुंभ मेला भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक एकता का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। यह प्रदेश केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि साहित्य, संगीत और कला के क्षेत्र में भी अत्यंत समृद्ध रहा है। कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद और हरिवंश राय बच्चन जैसे महान साहित्यकारों ने इसी धरती को अपनी कर्मभूमि बनाया। कथक नृत्य, लोकगीत, बिरहा, कजरी और नौटंकी जैसी लोक कलाएँ यहाँ की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक समृद्ध बनाती हैं। कृषि और किसानों की शक्तिः उत्तर प्रदेश की समृद्धि का सबसे बड़ा आधार यहाँ की कृषि है। गंगा और यमुना जैसी नदियों से सिंचित यह भूमि देश की अन्न भंडार कही जाती है। गेहूँ, धान, गन्ना, आलू और दालों के उत्पादन में यह राज्य अग्रणी है। यहाँ के मेहनती किसान अपनी अथक मेहनत से पूरे देश का पेट भरते हैं। आज आधुनिक तकनीकों, सिंचाई योजनाओं और कृषि सुधारों के माध्यम से किसानों को नई सुविधाएँ मिल रही हैं। जैविक खेती, दुग्ध उत्पादन और कृषि आधारित उद्योगों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। गाँवों में सड़क, बिजली और इंटरनेट की पहुँच बढ़ने से किसानों का जीवन पहले की तुलना में अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर हुआ है।शिक्षा और तकनीक की नई उड़ानः

-विक्रम दयाल

किसी भी प्रदेश की प्रगति का आधार शिक्षा होती है, और उत्तर प्रदेश इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, अलीगढ़ और वाराणसी जैसे शहर शिक्षा के बड़े केंद्र बन चुके हैं। आईआईटी कानपुर, बीएचयू और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थान देश ही नहीं, विश्व स्तर पर अपनी पहचान रखते हैं। आज डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लास और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं। स्टार्टअप और आईटी सेक्टर के बढ़ते प्रभाव ने उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार और नवाचार की नई राह दिखाई है। प्रदेश के युवा अब केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नए अवसर बनाने वाले बन रहे हैं।उद्योग और विकास की नई दिशाः उत्तर प्रदेश अब केवल कृषि प्रधान राज्य नहीं रहा, बल्कि औद्योगिक विकास की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो रेल, एयरपोर्ट और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ प्रदेश को आधुनिकता की ओर ले जा रही हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा आज आईटी और उद्योग का बड़ा केंद्र बन चुके हैं। छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प को नई पहचान दी जा रही है। बनारसी साड़ी, मुरादाबाद का पीतल उद्योग, फिरोजाबाद की चूड़ियाँ और भदोही के कालीन आज विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। ह्लएक जिला एक उत्पादह्व जैसी योजनाओं ने स्थानीय प्रतिभाओं को नई शक्ति प्रदान की है। पर्यटन और रोजगार का बढ़ता क्षेत्रः उत्तर प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। आगरा का ताजमहल विश्व के सात अजूबों में शामिल है और हर वर्ष लाखों पर्यटक यहाँ आते हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा, वृंदावन और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटन उद्योग को भी नई ऊँचाइयाँ दे रहे हैं। पर्यटन के विकास से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को भी इसका लाभ मिल रहा है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत हो रही है। महिलाओं और युवाओं का बढ़ता योगदानः

आज उत्तर प्रदेश की महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। शिक्षा, प्रशासन, खेल, विज्ञान और राजनीति में उनका योगदान लगातार बढ़ रहा है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सशक्तिकरण योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। प्रदेश के युवा भी नई सोच और नई ऊर्जा के साथ विकास की धारा में शामिल हो रहे हैं। खेल, तकनीक, सेना, प्रशासन और व्यापार में उत्तर प्रदेश के युवाओं ने पूरे देश में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। निष्कर्षः उत्तर प्रदेश आज परिवर्तन और प्रगति के उस दौर से गुजर रहा है जहाँ परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल रही हैं। यह प्रदेश अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोते हुए विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत की खुशबू है, यहाँ के लोगों में सपनों को सच करने का साहस है, और यहाँ की संस्कृति में पूरे देश को जोड़ने की शक्ति है। सचमुच, उत्तर प्रदेश आज सुख, शांति और समृद्धि का नव संदेश लेकर आगे बढ़ रहा है। यह केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, संस्कृति और भविष्य का उज्ज्वल प्रतीक है। हमारा प्यारा उत्तर प्रदेश आने वाले समय में विकास, संस्कृति और मानवता का ऐसा आदर्श बनेगा, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा।

..टूटती पहचान और बिखरता समाज : आखिर जिम्मेदार कौन?

कुम्हार प्रजापति समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं है कि समाज छोटा है। बल्कि यह है कि समाज फिरका परस्ति में बंटा हुआ है। और विडंबना यह भी है कि एक फिरके में होते हुए बटा हुआ है! वर्षों से हर मंच पर, हर सभा में, हर चर्चा में एक ही बात सुनने को मिलती है – समाज में एकजुटता होनी चाहिए।

परंतु प्रश्न यह है कि आखिर यह एकजुटता केवल भाषणों तक ही क्यों सीमित रह जाती है? बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे जैसी सोच आखिर कब समाप्त होगी?

समाज तब कमजोर होता है जब उसके अपने लोग अपनी पहचान से दूरी बनाने लगते हैं। आज स्थिति यह है कि कुछ लोग अपनी मूल जाति छिपाने में गर्व महसूस करते हैं, कोई दूसरा उपनाम लिखता है, कोई अपनी पहचान बदलकर स्वयं को ऊँचा दिखाने का प्रयास करता है। अन्य टाइटल लगाकर लोग शायद व्यक्तिगत सम्मान तो खोज लेते हैं, लेकिन अनजाने में अपने ही समाज की जड़ों को कमजोर कर देते हैं। जब पहचान ही मिट जाएगी, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, अपने वंश और अपनी संस्कृति को कैसे पहचानेंगी? सबसे दुखद बात यह है कि समाज में धन और पद होने के बावजूद भी कई लोग समाज के लिए कुछ करने को तैयार नहीं हैं। धनवान होकर भी यदि व्यक्ति समाज से कट जाए, गरीबों को तुच्छ समझे, अपने लोगों से घृणा करे, तो वह समृद्ध नहीं बल्कि मानसिक रूप से निर्धन कहलाएगा। समाज केवल पैसों से नहीं चलता, समाज चलता है संस्कार, शिक्षा, सहयोग और आत्मसम्मान से। आज समाज के बिखराव के मुख्य कारण हैं–अशिक्षा, गरीबी, आपसी ईर्ष्या, संस्कारों की कमी और सामाजिक रणनीति का अभाव। जब एक परिवार के चार लोगों की सोच अलग-अलग हो जाती है, तब पूरे समाज में एकता की अपेक्षा करना कठिन हो जाता है। इसलिए परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करनी होगी। पहले परिवार में एकमत बनाना होगा, फिर समाज में एकता अपने आप दिखाई देगी। हर समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो नकारात्मकता फैलाते हैं, समाज को तोड़ने का कार्य करते हैं, अपनी मूल पहचान छिपाकर दूसरों को भी भ्रमित करते हैं। ऐसे दोगले और दोगलापंथी लोगों से सावधान रहना होगा, क्योंकि ये समाज की मयार्दा और संस्कारों को भीतर से कमजोर करते हैं। समाज केवल एकजुटता की बातें न करे, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारे। जहाँ भी रहें, जिस स्थिति में रहें, अपने समाज के लोगों के प्रति जागरूक रहें, बच्चों को अपनी पहचान पर गर्व करना सिखाएँ, शिक्षा को प्राथमिकता दें और सामाजिक संगठन को मजबूत करें। जिस दिन समाज का हर व्यक्ति यह सोच लेगा कि मैं ही समाज हूँ, उसी दिन एकजुटता की शुरूआत हो जाएगी। क्योंकि समाज किसी एक बड़े आदमी से नहीं, बल्कि हर छोटे-बड़े व्यक्ति के आत्मसम्मान, संस्कार और सहयोग से बनता है। अब देखना यह नहीं है कि एकजुटता कब होगी, बल्कि यह तय करना है कि एकजुटता की शुरूआत हम स्वयं से कब करेंगे।

जितेंद्र प्रजापति (कुर्ला, मुंबई) -मीडिया प्रभारी मुंबई प्रदेश- प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.

भाषाई विवाद और क्षेत्रीय असंतुलन स्वतंत्र भारत की बड़ी चुनौती

संजीव ठाकुर

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति और परंपराओं की बहुलता सदियों से समाज की पहचान रही है। यही विविधता भारत की शक्ति भी है और जब इसका दुरुपयोग राजनीतिक तथा सामाजिक स्वार्थों के लिए होने लगे, तब यही विविधता राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में अवरोध बन जाती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय का सपना देखा था, किंतु सामाजिक विषमताएँ, जातीय संघर्ष, सांप्रदायिक तनाव, भाषाई विवाद और क्षेत्रीय असंतुलन आज भी विकास के मार्ग में गंभीर चुनौतियों के रूप में उपस्थित हैं।

आजादी के बाद देश ने पंचवर्षीय योजनाओं, औद्योगिक विकास, कृषि सुधारों और सामाजिक उत्थान की अनेक योजनाओं के माध्यम से आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास किया। उद्देश्य यह था कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और वर्गविहीन, लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष समाज की स्थापना हो। किंतु सामाजिक संरचना में विद्यमान असमानताओं ने विकास की गति को कई स्तरों पर प्रभावित किया। जातिगत विभाजन और वर्ग संघर्ष ने सामाजिक समरसता को कमजोर किया तथा राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने इन विभाजनों को और अधिक जटिल बना दिया।

भारतीय राजनीति में जातिगत समीकरण लंबे समय से सत्ता प्राप्ति का माध्यम बनते रहे हैं। राजनीतिक दलों ने सामाजिक न्याय और समानता के नाम पर अनेक बार जातीय ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया, जिससे समाज में परस्पर अविश्वास की भावना उत्पन्न हुई। उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के बीच आर्थिक तथा सामाजिक दूरी ने कई बार संघर्ष का रूप लिया। यही कारण है कि कई क्षेत्रों में नक्सलवाद जैसी हिंसक प्रवृत्तियों को पनपने का अवसर मिला। हालांकि अब नक्सलवाद का देश से लगभग सफाया हो गया है। समाज का कोई वर्ग स्वयं को विकास की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है, तब असंतोष जन्म लेता है और यही असंतोष अंततः राष्ट्रीय विकास के लिए बाधक बन जाता है। धार्मिक संघर्ष भी भारत के सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। हिंदूझ्रमुस्लिम विवादों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ने समय-समय पर सामाजिक तनाव को जन्म दिया है। मंदिरझ्रमस्जिद विवाद जैसे मुद्दे केवल धार्मिक असहमति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव देश की सामाजिक शांति, निवेश, उद्योग और आर्थिक वातावरण पर भी पड़ता है। सांप्रदायिक तनाव के कारण समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित होता है, जिससे विकास की प्रक्रिया प्रभावित होती है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक उन्नति के लिए सामाजिक स्थिरता अत्यंत आवश्यक होती है।

भाषाई विवाद भी स्वतंत्र भारत की एक बड़ी चुनौती रहे हैं। दक्षिण भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध से लेकर विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण के आंदोलनों तक, भाषा का प्रश्न कई बार राजनीतिक और सामाजिक संघर्ष का कारण बना। बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में भाषाई अस्मिता को लेकर समय-समय पर आंदोलन हुए हैं। भाषा किसी भी समाज की सांस्कृतिक पहचान होती है, इसलिए इस विषय को संवेदनशीलता और समन्वय के साथ देखने की आवश्यकता है। भाषाई संघर्ष जब राजनीतिक रूप धारण कर लेते हैं, तब वे राष्ट्रीय एकता और आर्थिक विकास दोनों को प्रभावित करते हैं। समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी समाज में मतभेद दिखाई देते हैं। एक ओर बहुसंख्यक वर्ग इसे समानता और राष्ट्रीय एकरूपता का प्रतीक मानता है, वहीं अल्पसंख्यक समुदाय अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर आशंकित दिखाई देता है। ऐसे विषयों पर संवाद, संवेदनशीलता और संवैधानिक संतुलन की आवश्यकता है। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र में विकास तभी संभव है जब सभी वर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। भारत के समक्ष गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियाँ आज भी गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं। स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद भी यदि समाज का एक बड़ा वर्ग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, तो यह चिंतन का विषय है। आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ केवल बड़े उद्योगों और शहरी विस्तार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि गाँवों, आदिवासी क्षेत्रों, श्रमिक वर्ग और पिछड़े समाज तक विकास के लाभ पहुँचाना भी उतना ही आवश्यक है। समाधान का मार्ग समावेशी विकास और सकारात्मक राष्ट्रवाद में निहित है। राष्ट्रवाद का अर्थ किसी वर्ग विशेष की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र और उसके प्रत्येक नागरिक के सम्मान तथा प्रगति की भावना होना चाहिए। यदि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसरों से जोड़ा जाए, तो नक्सलवाद, हिंसा और असंतोष जैसी समस्याएँ स्वतः कम होने लगेंगी। सामाजिक न्याय और आर्थिक अवसरों का संतुलन ही राष्ट्र को स्थिर और सशक्त बना सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है, यदि उसे समरसता और विकास के साथ जोड़ा जाए। सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक चेतना और आर्थिक समानता के आधार पर ही भारत वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

सुशील कुमार द्विवेदी के पिताजी पं. तीर्थराज द्विवेदी का निधन

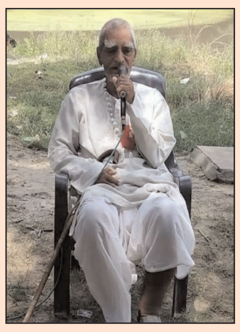

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। सुशील कुमार द्विवेदी के पिताजी का सोमवार, 18 मई 2026 को निधन हो गया। वे उत्तर प्रदेश के जौनपुर ज़िले के बरसठी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोलाहलपुर निवासी थे। उनका अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया गया, जहां उनके ज्येष्ठ पुत्र जवाहर लाल द्विवेदी ने मुखाग्नि दी। पं. तीर्थराज द्विवेदी अपने पीछे तीन पुत्र, तीन पुत्रियाँ तथा नाती-नातिनों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर संयुक्त उत्तर भारतीय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश दुबे, योगेश पाठक, राष्ट्रीय सचिव शिवा मिश्रा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, मुंबई अध्यक्ष राजेश उपाध्याय, मुंबई उपाध्यक्ष आनंद दुबे, अशोक यादव, राजकुमार पांडेय, मीडिया प्रभारी तारकेश्वर पांडे सहित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

35 वर्षीय कैप्टन सत्यम ठाकुर के हाथों में पालघर कांग्रेस की कमान

पालघर(उत्तरशक्ति)। कांग्रेस ने पालघर जिले में संगठन को नई धार देने और युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने की रणनीति के तहत बड़ा फैसला लेते हुए 35 वर्षीय कैप्टन सत्यम ठाकुर को जिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। वाणगांव निवासी कैप्टन सत्यम ठाकुर की नियुक्ति को पार्टी में नई सोच, नई ऊर्जा और युवा नेतृत्व के उभार के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही वे कांग्रेस के इतिहास में सबसे युवा जिलाध्यक्षों में शामिल हो गये हैं। युवाओं और कार्यकताओं के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले कैप्टन सत्यम ठाकुर अब संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की तैयारी में जुट गये हैं। संगठनात्मक सक्रियता और जमीनी जुड़ाव के दम पर अपनी पहचान बनाने वाले ठाकुर से पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस एक बार फिर गांव से लेकर शहर तक अपनी राजनीतिक ताकत को मजबूती देगी। उनकी नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए नेतृत्व का आभार जताया।

नियुक्ति के बाद कैप्टन सत्यम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस विचारधारा को हर गांव और हर युवा तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी। वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जायेगा। पालघर के किसानों, मछुआरों, आदिवासी समाज और बेरोजगार युवाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाया जायेगा। कैप्टन ने कहा कि जिलेभर के कॉलेजों में एनएसयूआई के माध्यम से युवाओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। ज्ञात हो कि वाणगांव निवासी कैप्टन सत्यम ठाकुर ने अमेरिका में पायलट के तौर पर अपने करियर की शुरूआत की थी। विमानन क्षेत्र में काम करने के बाद उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाई और कांग्रेस से जुड़ गये। संगठन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। अब जिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद पार्टी को उनसे नई राजनीतिक ऊर्जा और मजबूत संगठन की उम्मीद है।

श्री राम धर्म संस्कृति सेवा संस्था बदलापुर की ओर से श्री रामचरित मानस पाठ का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री राम धर्म संस्कृति सेवा संस्था बदलापुर के सानिध्य में जनकल्याण हेतु मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की महिमा का बखान करने हेतु भव्य संगीतमय श्री रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ 23 मई 2026 शनिवार सुबह 7 बजे से है। जबकि पूणार्हुति हवन 24 मई 2026 रविवार को संपन्न होगा।24 मई रविवार की शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक भंडारा (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम स्थल आई गांवदेवी श्री माधवेश्वर मंदिर शिरगांव,बदलापुर, माऊली चौक है। संस्था के अध्यक्ष विजय पांडे, सचिव पंकज शुक्ला और कोषाध्यक्ष शीतला प्रसाद तिवारी हैं। संस्था अध्यक्ष विजय पांडे ने समस्त धर्मप्रेमियों एवं रामभक्तों से अपील की है कि इस पावन अवसर पर आप ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें।

स्टार हेल्थ ने पटना में लगभग 20% कम प्रीमियम के साथ किफायती स्वास्थ्य बीमा वैल्यू प्लस लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी, स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज टियर 2, 3 और 4 शहरों के युवा भारतीयों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक किफायती पेशकश लॉन्च करने की घोषणा की है। इस योजना का नाम वैल्यू प्लस है और यह एक विशेष रूप से तैयार किये गये अस्पताल नेटवर्क के जरिए, लगभग 20% कम प्रीमियम पर 7.5 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का उच्च सम-इंश्योर्ड कवर प्रदान करती है। एक ऐसे बाजार में जहां इलाज के बढ़ते खर्च छोटे शहरों में रहने वाले लाखों लोगों की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, स्टार हेल्थ वैल्यू प्लस के जरिए किफायती विकल्प लेकर आई है।

टाटा एआईए लाइफ ने वित्त वर्ष 26 में पॉलिसीधारकों के लिए घोषित किया अब तक का सबसे बड़ा 2,173 करोड़ का बोनस रिकॉर्ड भुगतान

मुंबई/पटना। भारत की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने अपने पार्टिसिपेटिंग (पार) पॉलिसीधारकों के लिए 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष में 2,173 करोड़ के अपने अब तक के सबसे अधिक बोनस भुगतान की घोषणा की है। इस भुगतान से 8.74 लाख से अधिक पॉलिसियों को सीधा फायदा होगा। यह पिछले वर्ष के 1,842 करोड़ की तुलना में 18% अधिक है, और कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ी बोनस घोषणा है। यह बोनस सभी योग्य पार्टिसिपेटिंग बीमा प्लान्स पर दिया गया है।

जियोहॉटस्टार और कलर्स लेकर आए भोजपुरी बवाल भारत की पहली प्रीमियम सेलिब्रिटी फॉलो-रियलिटी सीरीज

मुंबई/पटना। भोजपुरी मनोरंजन आज भारत के सबसे तेजी से बढ़ते और बेहद लोकप्रिय क्षेत्रीय उद्योगों में से एक बन चुका है। अपने संगीत, सिनेमा और बड़े सितारों के दम पर इस इंडस्ट्री ने न केवल देश के हृदयस्थल बल्कि उससे बाहर भी करोड़ों दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। इसी सांस्कृतिक लोकप्रियता को नए आयाम देते हुए भोजपुरी मनोरंजन जगत के सबसे बड़े सितारे अब कैमरों की चमक-दमक से बाहर निकलकर दर्शकों के सामने अपनी ज़िंदगी की अब तक की सबसे बेबाक और अनफि ल्टर्ड झलक पेश करने के लिए तैयार हैं।

पालघर में खरीफ की तैयारी पूरी, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं खाद-बीज : मनोज रानडे

किसानों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संतुलित उर्वरक उपयोग की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए पालघर जिले में खाद और बीज का पर्याप्त भंडार उपलब्ध करा दिया गया है। किसानों को किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करते हुए आवश्यकता अनुसार ही खाद-बीज खरीदने चाहिए। यह अपील जिला परिषद पालघर के प्रशासक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने गुरुवार को आयोजित सामान्य सभा में की।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में फिलहाल करीब 1 हजार मीट्रिक टन यूरिया का बफर स्टॉक उपलब्ध है, जबकि दुकानदारों के पास बिक्री के लिए लगभग 1 हजार 650 मीट्रिक टन यूरिया मौजूद है। इसके अलावा जिले के लिए 9 हजार 500 क्विंटल धान बीज का स्टॉक प्राप्त हो चुका है और खरीफ सीजन के लिए खाद एवं बीज की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने किसानों से यूरिया का अत्यधिक उपयोग न करने तथा संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का उपयोग किया जाये और मिश्रित खाद, जैविक खाद तथा प्राकृतिक खेती पद्धतियों को प्राथमिकता दी जाये। साथ ही हरित खाद, बायोफर्टिलाइजर, जीवामृत और बीजामृत जैसे विकल्पों के उपयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार के National Fertilizer Sale Framework प्रकल्प के अंतर्गत IFMS और Agristack पोर्टल का एकीकरण किया गया है, जिससे अनुदानित रासायनिक खाद वितरण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाई जा रही है।

जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने बताया कि किसानों के लिए सुवर्णा, कर्जत-3, राशी, पूनम, सिंदुर, सुमा, जोरदार, कावेरी सुप्रीम, सोना, सुंदर, तृप्ती और रूपाली जैसी धान बीज की किस्में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी खाद-बीज की कालाबाजारी या कृत्रिम कमी पैदा न हो, इसके लिए कृषि विभाग के पथक और गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षकों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में यूरिया, डीएपी, एमओपी, संयुक्त खाद और एनएसपी उर्वरकों का पर्याप्त स्वीकृत भंडार उपलब्ध है तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त यूरिया उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग लगातार प्रयासरत है।

'यूथकॉन २०२६' में सम्मानित हुआ क्लीरनेट

मुंबई। क्लीरनेट को हाल ही में कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क द्वारा आयोजित 'यूथकॉन २०२६' में डिजिटल सीएमई के माध्यम से चिकित्सा शिक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए सम्मानित किया गया। यह आयोजन चिकित्सा समुदाय को व्यापक स्तर पर एकजुट करने की क्लीरनेट की क्षमता का एक बड़ा प्रमाण रहा। इस हाइब्रिड सत्र में जहां आयोजन स्थल पर लगभग ३०० से अधिक प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए, वहीं देश के विभिन्न हिस्सों से रिकॉर्ड ७०० डॉक्टर क्लीरनेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन शामिल हुए। की-ओपिनियन लीडर्स की इतनी बड़ी भागीदारी इस बात को रेखांकित करती है कि यह प्लेटफॉर्म एक व्यवस्थित व सहकर्मियों द्वारा प्रमाणित वैज्ञानिक विमर्श चाहने वाले वरिष्ठ चिकित्सा पेशेवरों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है।

बोईसर पूर्व के लोखंडी पाड़ा में स्ट्रीट लाइट परियोजना का उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पूर्व स्थित लोखंडी पाड़ा क्षेत्र में नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही सड़क प्रकाश व्यवस्था की मांग आखिरकार पूरी हो गई। पालघर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद डॉ. हेमंत सवरा के निधि से यहां बिजली के खंभे, केबल लाइन तथा स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूर्ण किया गया, जिसका शुभारंभ हाल ही में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सवरा स्वयं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं पूर्व कृषि सभापति व भाजपा जिला महासचिव अशोक वडे, पूर्व जिला परिषद सदस्य व भाजपा बोईसर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, भाजपा नेत्री रंजना किशोर संखे तथा स्थानीय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।समाजसेविका रंजना किशोर संखे ने बताया कि क्षेत्र में पर्याप्त

प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को रात के समय काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लगातार किये गये पत्र व्यवहार एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष किये गये पाठपुरावे के बाद सांसद निधि से यह कार्य संभव हो पाया। उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित नागरिकों ने सांसद डॉ. हेमंत सवरा तथा सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। नई स्ट्रीट लाइट व्यवस्था शुरू होने से अब क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन का लाभ मिलेगा।

भिवंडी में नाला सफाई के दौरान मजदूर की मौत, मनपा आरोग्य विभाग और ठेकेदार की लापरवाही ने ली जान

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के आरोग्य विभाग और नाला सफाई ठेकेदारों की गंभीर लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। प्रभाग समिति क्रमांक 2 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 के पिराणी पाड़ा क्षेत्र में नाला सफाई के दौरान एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सुभाष नवशाह दिघे (44), निवासी मिठपाड़ा के रूप में हुई है। इस घटना के बाद मनपा के आरोग्य विभाग तथा सफाई ठेकेदार चंडिका कन्स्ट्रक्शन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।मिली जानकारी के अनुसार सुभाष दिघे अन्य मजदूरों के साथ नाला सफाई का काम कर रहे थे। दोपहर के भोजन के बाद सभी मजदूर दोबारा

काम पर लौटे, लेकिन कुछ देर बाद सुभाष दिखाई नहीं दिए। सहकर्मियों ने खोजबीन की तो वे नाले के अंदर बेहोश अवस्था में पड़े मिले। मजदूरों ने उन्हें कपड़े में लपेटकर तत्काल आईजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सबसे गंभीर बात यह सामने आई है कि नाला सफाई जैसे बेहद खतरनाक काम के दौरान मजदूरों को कोई पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। न तो गैस जांचने की व्यवस्था थी, न ऑक्सीजन सिलेंडर, न सेफ्टी बेल्ट और न ही सुरक्षा किट। रोजाना महज 700 रुपये मजदूरी पर मजदूरों की जान जोखिम में डालकर काम कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि महानगरपालिका का आरोग्य विभाग केवल कागजों में सुरक्षा नियमों का पालन दिखाता है, जबकि जमीनी स्तर पर मजदूरों को मौत के मुंह में धकेला जा रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब नाला सफाई के लिए करोड़ों रुपये के ठेके दिए जाते हैं, तो मजदूरों की सुरक्षा पर खर्च क्यों नहीं किया जाता? चंडिका कन्स्ट्रक्शन पर भी गंभीर आरोप लग रहे हैं कि कंपनी ने सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की। बिना किसी सुरक्षा प्रशिक्षण और उपकरण के मजदूरों को जहरीले और खतरनाक नालों में उतारना सीधे-सीधे मानव जीवन से खिलवाड़ माना जा रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद अब शहर में आक्रोश का माहौल है। नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि मनपा आरोग्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों तथा संबंधित ठेकेदार पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक मजदूर के परिवार को उचित आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग उठ रही है।

हत्या को अंजाम देने के बाद फरार हुए आरोपी को किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी सागर रमेश राउल (उम्र 34 वर्ष) ने शिकायतकर्ता की छोटी बहन से विवाह का प्रस्ताव रखा था। लेकिन शिकायतकर्ता की माता शैला घड़ी (58 वर्ष) ने इस विवाह का विरोध किया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने 19 मई 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच गोवा राज्य के बिचोलिम अंतर्गत सांखालिम क्षेत्र के चिकने कुडने स्थित मकान में घुसकर शैला घड़ी की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मृतका के गले से सोने की चेन और मोबाइल फोन जबरन लेकर फरार हो गया। इस मामले में बिचोलिम पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 64/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 332 (ए),

103, 309 (4) और 351 (3) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस इंस्पेक्टर विजय वी. राणे सरदेसाई के मार्गदर्शन में अपराध प्रकटीकरण शाखा कक्ष 4 ने समानांतर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और गहन जांच के आधार पर आरोपी सागर रमेश राउल, निवासी कोरलिम, ओल्ड गोवा तथा मूल निवासी सावंतवाड़ी, सिंधुदुर्ग को 20 मई 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से मृतका की सोने की चेन और मोबाइल फोन बरामद किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 1 लाख 11 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए गोवा पुलिस के हवाले कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा अपराध प्रकटीकरण शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में संपन्न हुई।

कूपर अस्पताल में सी-आर्म मशीन बंद होने से मरीज परेशान

शिवसेना नगरसेवक रितेश राय ने दी आंदोलन की धमकी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विलेपार्ले स्थित महानगरपालिका के जाने माने कूपर अस्पताल में अत्यावश्यक सी-आर्म मशीन पिछले कई महीनों से बंद होने के कारण मरीजों का उपचार प्रभावित हो रहा है और उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह गंभीर आरोप शिवसेना नगरसेवक तथा आरोग्य समिति के उपाध्यक्ष रितेश राय ने लगाया है।

इस संबंध में पूर्व नगरसेवक कमलेश राय के मार्गदर्शन में नगरसेवक रितेश राय ने अस्पताल की अधिष्ठाता (डीन) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए मशीन को तत्काल शुरू करने की मांग की है।

रितेश राय द्वारा दिए गए निवेदन में कहा गया है कि कूपर अस्पताल में मौजूद सी-आर्म मशीन कई महीनों से बंद पड़ी है। इस संबंध में कई बार अस्पताल प्रशासन का ध्यान आकर्षित किए जाने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके चलते मरीजों की सर्जरी और अन्य जरूरी उपचार समय पर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में आक्रोश व्याप्त है।

विशेष रूप से, युवासेना का एक कार्यकर्ता पिछले कुछ दिनों से कूपर अस्पताल में भर्ती है, लेकिन सी-आर्म मशीन बंद होने के कारण उसकी सर्जरी टाल दी गई है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया। उन्होंने कहा कि केवल एक ही मरीज नहीं, बल्कि कई अन्य मरीजों को भी समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। रितेश राय ने अस्पताल प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि आगामी एक सप्ताह के भीतर सी-आर्म मशीन शुरू नहीं की गई, तो शिवसेना और युवासेना की ओर से अस्पताल परिसर में आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के दौरान यदि किसी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की होगी।

राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ में पवन उपाध्याय को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ ने महाराष्ट्र में संगठनात्मक विस्तार को गति देते हुए नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास तिवारी की अनुमति से जारी सूची में पवन उपाध्याय को दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। उन्हें महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया आईटी सेल प्रभारी के साथ-साथ प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

संगठन द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में बताया गया है कि महाराष्ट्र में संगठन की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन तक

संगठन की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है।

नई जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताते हुए पवन उपाध्याय ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व और वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र प्रदेश में संगठन की नीतियों, विचारों और सामाजिक कार्यों को जन-जन तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

इस नियुक्ति पर संगठन के नवनियुक्त महाराष्ट्र प्रदेश प्रभारी सुरेश चुरी, प्रदेश अध्यक्ष लालाराम पुखराज माली, महासचिव नीलेश राऊत सहित बस्ती स्थित मुख्य कार्यालय के पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने पवन उपाध्याय को बधाई दी। सभी ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और कार्यशैली से महाराष्ट्र में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

परिवहन मंत्री ने दहिसर से गुजरात राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे धीमी गति के कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दी कड़ी चेतावनी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मंत्री सरनाईक ने दिल्ली दरबार होटल क्षेत्र में निमार्णाधीन फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को 10 जून 2026 तक कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट कहा कि आगामी मानसून के दौरान नागरिकों को यातायात जाम और जलभराव जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि फ्लाईओवर और सड़क निर्माण समय पर पूरा नहीं हुआ तो मीरा भायंदर क्षेत्र के नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी। जानकारी के अनुसार, गुजरात राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क विकास एवं फ्लाईओवर निर्माण के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा लगभग 600 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत की गई थी। इसी निधि से कंक्रीट सड़क और फ्लाईओवर निर्माण कार्य किया जा रहा है। हालांकि नागरिकों की लगातार शिकायत थी कि काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए मंत्री सरनाईक ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने और काम में तेजी लाने की मांग की थी। अधिकारियों की ओर से

केवल तकनीकी जवाब मिलने के बाद मंत्री स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। दिल्ली दरबार होटल परिसर को मीरा भायंदर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है, जहां लगातार यातायात जाम की समस्या बनी रहती है। साथ ही यह क्षेत्र संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के निकट होने के कारण मानसून में पहाड़ियों से भारी मात्रा में पानी सीधे सड़क पर आ जाता है। उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने से पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है और मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होता है। निरीक्षण के दौरान मंत्री सरनाईक ने प्राकृतिक नालों और जल निकासी व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने मीरा भायंदर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संपर्क कर मानसून पूर्व नालों की तत्काल सफाई कराने और जल प्रवाह को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। मंत्री सरनाईक ने कहा कि संबंधित विभाग युद्धस्तर पर कार्य करें ताकि 10 जून तक फ्लाईओवर और सड़क निर्माण कार्य पूरा हो सके और मानसून में नागरिकों को राहत मिल सके।

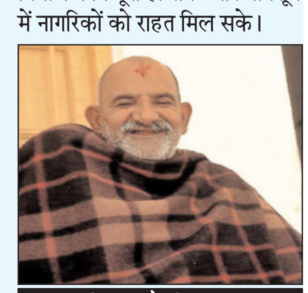
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीड़ित परिवार के साथ है प्रशासन, जिलाधिकारी ने हर संभव सहायता का दिया भरोसा

भूमि विवादों के समाधान को लेकर जिला प्रशासन का अभियान तेज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील सदर अंतर्गत थाना बक्शा क्षेत्र के ग्राम उतरीजपुर में आज एक अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक घटना घटित हुई, जिसमें सत्यप्रकाश यादव नामक युवक की दुःखद मृत्यु हो गई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने मृतक के परिवारजन से वार्ता करते हुए प्रकरण के संदर्भ में जानकारी ली तथा उन्हें आश्वस्त किया कि शासन द्वारा अनुमन्य समस्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, पारिवारिक लाभ योजना तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत सहायता प्रदान करने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। इसके साथ ही मृतक के बच्चों के देखभाल और भविष्य को लेकर जिला प्रशासन पूरी

जांच हेतु तीन सदस्यीय समिति गठित

संवेदनशीलता के साथ कार्य करेगा और मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर पर तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है जिसमें अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, परियोजना निदेशक डीआरडीए, एसओसी चकबंदी द्वारा तीन दिवस के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं जांच में यदि किसी की लापरवाही

सामने आता है तो कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने घटना पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की है।

जिलाधिकारी ने कहा कि पत्थरगड्डी, भूमि सीमांकन हेतु अभियान चलाकर कार्रवाई करने के प्रयास किया जा रहे हैं अब तक 501 पैमाईश इस माह में किया जा चुका है। अभियान चलाते हुए जमीन संबंधी विवादों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित भी किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में भूमि विवादों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खेतों की पैमाइश, मेड़बंदी एवं पत्थरगड़ी का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि 5 मई को कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत भूमि संबंधी मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार अभियान संचालित कराया जा रहा है तथा अब तक बड़ी संख्या में प्रकरणों का निस्तारण कराया जा चुका है। जनसुनवाई एवं आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर सात दिवस के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा विवाद का समाधान संवाद एवं विधिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा भूमि विवाद से जुड़े प्रकरण का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बिजली का तार जोड़ने में पट्टीदारों के बीच मारपीट, अधेड़ की मौत

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के जरौना-जंघई मार्ग स्थित कमासिन गांव में बुधवार सुबह बिजली का तार जोड़ने को लेकर दो पट्टीदारों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे, जिसमें एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियातन गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10:10 बजे यूपी-112 पीआरवी को सूचना मिली कि कमासिन गांव में बिजली के तार को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया, लेकिन तब तक दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चल चुके थे।

मारपीट में मानिक चंद यादव उर्फ खरपत्तू (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मेधावियों का हुआ सम्मान, साइकिल और घड़ी पाकर खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-

छात्राओं को सम्मानित करने के लिए समता बालिका इंटर कॉलेज सुखई सत्योंग में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल और घड़ी भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

हाईस्कूल परीक्षा में नैन्सी यादव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। चांदनी ने 83.8 प्रतिशत और अरिशा बानो ने 83.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं इंटरमीडिएट वर्ग में अनिकेत ने 81.86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। आयुष गुप्ता ने 81 प्रतिशत तथा सृष्टि चौहान ने 80.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

संस्था के संचालक डा. प्रेम प्रकाश यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल एवं घड़ी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान करना संस्था की प्राथमिकता है। संस्था के निदेशक डा. विशाल यादव ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानाचार्या अनीता यादव ने सभी छात्र-छात्राओं को अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लापरवाही पर गिरी गाज: सुल्तानपुर के नगर कोतवाल संदीप राय लाइन हाजिर

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। सुल्तानपुर में पुलिस विभाग में उस समय हड़कंप मच गया, जब चारु निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर कोतवाल संदीप राय को लाइन हाजिर कर दिया। बताया जा रहा है कि कार्यों में लापरवाही मिलने पर यह सख्त कदम उठाया गया। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए साफ संदेश दिया कि ड्यूटी में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी की इस कार्रवाई के बाद पूरे पुलिस महकमे में अनुशासन को लेकर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, नगर कोतवाली की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद मामले की समीक्षा की गई। जांच में लापरवाही सामने आने पर तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर करने का आदेश जारी कर दिया गया। इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में जवाबदेही और अनुशासन कायम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

यूपी बार काउंसिल मतगणना में अनुराग पाण्डेय को मिला भारी समर्थन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में चल रही यूपी बार काउंसिल मतगणना में प्रत्याशी अधिवक्ता अनुराग पाण्डेय को 333 प्रत्याशियों में अब तक सर्वाधिक 346 मत प्राप्त हुए हैं, जिससे उनके समर्थकों में उत्साह और खुशी की लहर है। अब तक की कुल मतगणना में अधिवक्ता अनुराग पाण्डेय को 1630 मत प्राप्त हो चुके हैं। इस प्रदर्शन के आधार पर वह कानपुर नगर एवं जौनपुर में प्रथम स्थान पर बने हुए हैं तथा प्रदेश स्तर पर छठे स्थान पर चल रहे हैं। गौरतलब है कि अभी कानपुर, कन्नौज, प्रयागराज, प्रतापगढ़ सहित कई महत्वपूर्ण जनपदों की मतगणना शेष है। ऐसे में समर्थकों को उम्मीद है कि आगामी चरणों में अनुराग पाण्डेय की स्थिति और अधिक मजबूत हो सकती है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर खुटहन, दौलतपुर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेता व पूर्व विधानसभा

प्रत्याशी इन्द्रमणि दूबे ने कहा कि पूरी दुनिया में राजीव गांधी को संचार क्रांति के जनक के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने संविधान संशोधन के माध्यम से महिलाओं को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अधिकार देकर उन्हें आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र को मजबूत किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जया दूबे, मुन्नू प्रजापति, मनोज कुमार, पंकज दुर्गावती, विनोद दूबे सहित दर्जनों लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीडीए समाज का भविष्य समाजवादी पार्टी के साथ सुरक्षितः अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन कटघरा में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के सम्मान, अधिकार और संवैधानिक सुरक्षा की सबसे मजबूत आवाज आज समाजवादी पार्टी बनकर उभरी है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन हमेशा सामाजिक न्याय, भाईचारे, लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई का प्रतीक रहा है। समाजवादी पार्टी ने गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, महिलाओं और वंचित वर्गों को राजनीतिक भागीदारी और सम्मान देने का कार्य किया है।

अरशद खान ने कहा कि आज देश में नफरत और विभाजन की राजनीति कर जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है, जबकि

समाजवादी पार्टी शिक्षा, रोजगार, किसानों की आय, सामाजिक न्याय, आरक्षण, स्वास्थ्य और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर संघर्ष कर रही है।

उन्होंने कहा कि पीडीए समाज अब यह समझ चुका है कि उसका भविष्य केवल उस राजनीतिक विचारधारा के साथ सुरक्षित है जो बराबरी, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती हो।

बैठक में उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और गली-गली जाकर समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने तथा पीडीए समाज को एकजुट करने का आह्वान किया।

अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी लगातार जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है और आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्रेस वार्ता में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक एकता, संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लिया।

कांग्रेसियों ने स्व.राजीव गांधी जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

सूचना और कम्प्यूटर क्रांति के जनक थे स्व.राजीव गांधीः डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी जी के बलिदान दिवस पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह जी की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के पदाधिकारियों ने स्व राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने राजीव गांधी जी के कार्यों को याद करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता थे, उनके द्वारा लायी गयी सूचना एवं कम्प्यूटर क्रांति भारत के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ। डा.प्रमोद कुमार सिंह ने राजीव गांधी जी को भारतीय राजनीति का संत बताते हुए कहा कि राजीव गांधी जी की सादगी और इमानदारिता की देन है जो भारत आज विश्व की सबसे शक्तिशाली देशों में गिना जाता है। सभा को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान जी

कहा कि पंचायती राज व्यवस्था राजीव गांधी जी की देन है। भारत में आज पंचायतों में महिलाओं के साथ हर समाज की समान भागीदारी राजीव गांधी जी की देन है। आरिफ खान ने आगे कहा कि अट्ठारह वर्ष के युवाओं को मताधिकार देकर भारतीय राजनीति में नौजवानों को प्रत्यक्ष रूप से अधिकार देने का काम काम राजीव गांधी जी ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, जिला उपाध्यक्ष विनय तिवारी, सभासद शाहनवाज, इरशाद खान, अनिल दूबे आजाद,अरुण शुक्ला, अनिल सोनकर, इकबाल हुसैन, मोहम्मद ताहिर आदि उपस्थित रहे।

जनपद जौनपुर आज से जनगणना-2027 की गतिविधियां प्रारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जनपद जौनपुर में जनगणना-2027 से संबंधित फील्ड गतिविधियां 22 मई 2026 से प्रारंभ की जाएंगी। जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, सामाजिक, आर्थिक एवं आवासीय स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों का संकलन किया जाता है। इन आंकड़ों का उपयोग विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाता है।

जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें तथा गणनाकर्मियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान प्राप्त सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों हेतु किया जाता है।

जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं

कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। जनपद मे कुल 18 चार्ज अधिकारी तथा 10116 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक तैनात किए गए है, 22 मई 2026 से प्रगणक एवं पर्यवेक्षक अपने गणना ब्लॉक में जाकर मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रारंभ करेंगे, यह प्रक्रिया 20 जून 2026 तक चलेगी साथ ही जन जागरूकता अभियान के माध्यम से नागरिकों को जनगणना के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में जागरूक किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में स्व गणना का कार्य 07 मई 2026 से 21 मई 2026 तक हुआ, जिसमे मास्टर ट्रैनर और 146 फील्ड ट्रैनर द्वारा विभिन्न विभागों मे जाकर जागरूकता अभियान चलाए गए तथा स्व गणना पोर्टल पर 82000 से अधिक व्यक्तियों द्वारा स्व गणना का कार्य किया गया, जिन व्यक्तियों द्वारा स्व गणना का कार्य किया जा चुका है, उन्हे अपनी जनगणना के लिए अपने क्षेत्र के प्रगणक को सिर्फ स्व गणना (Self Enumeration id) देनी होगी तथा जिन व्यक्तियों द्वारा अपना स्व गणना नहीं किया गया है उनकी गणना प्रगणक द्वारा की जाएगी।

जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह पर ध्यान न दें तथा केवल अधिकृत स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें। 'सही जानकारी, बेहतर योजना-जन भागीदारी से सफल जनगणना'।

बुखार में देरी, पड़ेगी भारी, कोई भी बुखार हो सकता है मलेरिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य विभाग की मलेरिया फाइलेरिया टीम द्वारा धमार्पुर ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरसण्ड में अधीक्षक डॉ0 श्रवण यादव, बीसीपीएम सुधीर कुमार की उपस्थिति में सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा एवं अशोक कुमार द्वारा मलेरिया जागरूकता प्रशिक्षण, गोष्ठी आयोजित की गई, पैम्फलेट, पोस्टर बैनर के माध्यम से आशाओं को प्रशिक्षण दिया गया साथ ही आयुष्मान

आरोग्य मंदिर विथार एवं ग्राम में भी सीएचओ, क्षेत्रीय आशाओं के सहयोग से जन जागरूकता, सोर्स सर्वे, सोर्स रिडक्शन, स्वास्थ्य शिक्षा कराया गया। नगरीय क्षेत्र जौनपुर के मियापुर, हुसैनाबाद में सुपरवाइजर शिवशंकर वर्मा के नेतृत्व में एंटीलार्वल स्प्रे, ब्रीडिंग सोर्स सर्वे, सोर्स रिडक्शन, पोस्टर पैम्फलेट वितरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि कार्य किए गए।

मलेरिया रोग मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलने वाला एक संक्रामक रोग है। इसका परजीवी प्लाज्मोडियम नमक एक सूक्ष्मजीव/परजीवी होता है जिसकी कई प्रजातियां होती हैं जिनमें से प्लाज्मोडियम वाईवैक्स, प्लाज्मोडियम फैल्सिपेरम से फैलने वाला मलेरिया प्रमुख होता है। प्लाज्मोडियम फैल्सीपेरम से फैलने वाला मलेरिया अधिक घातक होता है। मलेरिया का मच्छर रुके हुए पानी में प्रजनन करता है, अंधेरे, नम, छायादार स्थानों में छिप कर रहता है। मलेरिया में ठंडक, जुड़ी जड़ाए लगकर बुखार आता है शरीर में दर्द उल्टी मितली आदि आती है समय पर जांच उपचार न मिलने पर खून की कमी हो जाती है, ज्यादा लापरवाही होने पर मौत भी हो सकती है।

जनपद जौनपुर में 2025 में मलेरिया के 14 केस, 2026 में अब तक 6 केस रिपोर्ट हो चुके हैं किसी की मृत्यु मलेरिया से नहीं हुई है।

जनपद में मलेरिया के जांच उपचार की व्यवस्था, जांच किट, दवाएं, फ्लुड, समस्त सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय जौनपुर, मेडिकल कॉलेज जौनपुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक उपलब्ध है, आशा द्वारा ग्राम/क्षेत्रीय स्तर पर एक्टिव सर्विलांस कार्य किया जा रहा है, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सी एच ओ द्वारा पैसिव सर्विलांस, समस्त सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज जौनपुर में स्थापित लैब में भी पैसिव सर्विलांस की व्यवस्था उपलब्ध है। मलेरिया पर रोकथाम, नियंत्रण हेतु ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीमें गठित हैं कहीं पर मलेरिया केस रिपोर्ट होता है तो रैपिड रिस्पांस टीम 24 से 48 घंटे में संबंधित मरीज के घर भ्रमण कर आवश्यक मलेरिया एवं मच्छर निरोधात्मक कार्यवाही संपादित कराती हैं, मलेरिया पर रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रचार प्रसार, जनजागरूकता का कार्य कराया जा रहा है।

अपीलः क्या करें, क्या न करें एडवाइजरीः जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने समस्त सम्मानित जनपदवासियों से अपील की है कि अपने घरों के आस पास साफ सफाई रखें, झाड़ियों को साफ करें, अपने घर के आस पास कहीं भी जल जमाव न होने दें, नालियों में कूड़ा कचरा न डालें, सोते समय मच्छर दानी का प्रयोग करें, खुले में, खुली बदन न सोएं, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने।

कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है अतः बुखार की स्थिति में तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र जाकर अपना निःशुल्क जांच उपचार कराएं, झोला छाप से बचें, प्रशिक्षित चिकित्सक को ही दिखाएं, बिना चिकित्सक की सलाह के, खुद से दवाओं का सेवन न करें। मलेरिया बुखार होने की स्थिति में पूरी तरह आराम करें, अधिक परिश्रम वाला काम न करें, तरल खाद्य सामग्रियों का अधिक सेवन करें, तला भुना गरिष्ठ भोजन न करें, मच्छरदानी में सोएं, समय समय पर दवाएं लेते रहें।

बुखार में देरी, पड़ सकती है भारी, समय से जांच, उपचार कराएं, निभाएं जिम्मेदारी।

पोखरे पर जानलेवा हमला करने वाले 10 गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति) ।बरदह थाना क्षेत्र के सरायमोहन गांव में पोखरे में डाली गई मछलियों की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। विरोध करने पर दबंगों ने लोहे की रॉड से हमला कर कई लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में बलवा, मारपीट और एससी/एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

पीड़ित उमेश सरोज पुत्र स्वर्गीय फिरतू सरोज निवासी सरायमोहन ने बरदह थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव के मणिक बरनवाल के पोखरे में डाली गई मछलियों की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को 19 मई की रात करीब 8 बजे कुछ लोग तोड़फोड़ कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने एक राय होकर उमेश सरोज और उनके भाइयों पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में कई लोग घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने पोखरे में डाली गई मछलियां, जाल, ट्यूबवेल पाइप और अन्य सामान भी क्षतिग्रस्त कर लगभग दो लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया। मामले में थाना बरदह पर मु0अ0सं0 174/26 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार 21 मई को उपनिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद पटेल पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में दबिश दे रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि आरोपी दोबारा एकत्र होकर किसी गंभीर वारदात की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर फ10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में संजू, दिवाकर, शनि, मोहन, प्रदुम्न, लाल बहादुर, मेवालाल, भोला, सोनू और रामप्रीत शामिल हैं। सभी आरोपी सरायमोहन गांव के निवासी बताए गए हैं।

अलफारूक पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन

सुईथाकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अलफारूक पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से कक्षा 10 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कैंप का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना रहा।

समर कैंप में विभिन्न प्रकार की मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें इंडोर एवं आउटडोर खेल, म्यूजिकल चेयर, वाटर एक्टिविटी, फर्स्ट एड प्रशिक्षण, कुकिंग विदाउट फायर, ब्यूटी टिप्स, चित्रकला, नृत्य, योग तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियाँ प्रमुख रहीं। छात्र-छात्राओं ने सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपनी प्रतिभा का शानदार

प्रदर्शन किया। कार्यक्रम विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल कनीज फातमा के निर्देशन एवं समस्त अध्यापकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कैंप के अंतिम दिन छात्र-छात्राओं को हॉलिडेज होमवर्क एवं वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर वितरित कर उन्हें हैप्पी समर वेकेशन की शुभकामनाएँ दी गईं।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा व्यवहारिक ज्ञान का विकास होता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के स्किल डेवलपमेंट एवं संस्कार निर्माण पर भी विशेष ध्यान देता है।

समर कैंप के समापन अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना रहा। अभिभावकों ने भी विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

सुसाइड नोट लिख युवक ने लगाई फांसी

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नरहन गाँव स्थित चकरारेत मलहटोली में गुरुवार को लगभग तीन बजे एक युवक द्वारा सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। जानकारी के अनुसार नरहन निवासी अतुल 19वर्ष पुत्र राजेश निषाद जो अपने दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था, कुछ समय से दिल्ली में अपनी बुआ के पास रहकर काम करता था। वह कुछ दिन पहले ही घर आया था। परिवार में छोटा भाई अमित तथा बहनें अंशिका और अंजू हैं। बताया जा रहा है कि युवक के पिता राजेश निषाद दुबई में रहते हैं, जिनसे घटना के बाद सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। परिजनों के अनुसार गुरुवार सुबह उसने अपनी बहन से कहा था कि खाना मत बनाना। इसके बाद वह दोपहर में घूमकर घर वापस आया और अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर छोटी बहन अंशिका को शक हुआ। उसने घर के पीछे खिड़की के पास सीढ़ी लगाकर अंदर देखा तो युवक छत में लगे पंखे से गमछे के सहारे फंदे पर लटका हुआ था। यह दृश्य देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की छोटी बहन ने बताया की एक कॉपी पर अतुल ने सुसाइड नोट लिखा था। जिसमें अतुल ने डिप्रेशन नहीं फेस कर पाने की बात करी थी, साथ ही अपने मौत पर किसी को दोष नहीं देने के साथ ही शंकर वन स्थित श्मशान में अन्तोष्टि की बात लिखी थी। सुसाइट नोट को पुलिस कमीयों ने अपने कब्जे में ले लिया। वहीं मृतक के पास एक डिजिटल कैमरा और महंगा लैपटॉप भी बताया जा रहा है। जिससे वह इंस्टाग्राम पर रील शेयर करता था। सूचना पर अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय ने शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में लिया तथा पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फजीवाड़े के आरोपों पर घिरा बिजली बिल कलेक्शन सिस्टम, कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

बिजली बिल वसूली में कथित गड़बड़ियों पर गरमाई सियासत, निजी एजेंसियों की भूमिका पर उठे सवाल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्वांचल डिस्कॉम में नई तैनाती के बाद अधिकारियों से मुलाकात करने पहुंचे विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की समस्याओं के साथ-साथ बिजली बिल वसूली व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। पंचायत ने आरोप लगाया कि बिजली बिल कलेक्शन से जुड़ी निजी कंपनियों की कार्यप्रणाली ने उपभोक्ताओं और विभाग दोनों के लिए चिंता की स्थिति पैदा कर दी है।

प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष राजनारायण सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन तथा निदेशक वित्त से मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। साथ ही कर्मचारियों से जुड़ी लंबित समस्याओं और बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने की मांग भी रखी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पूर्वांचल क्षेत्र में लगातार बढ़ते बिजली भार और उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए पर्याप्त मानव संसाधन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मानक के अनुरूप हटाए गए संविदाकर्मियों की दोबारा तैनाती की जाए ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा पूर्व में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा स्वीकृत 5436 रिक्त पदों पर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने के प्रस्ताव को भी आगे बढ़ाने की मांग की गई। मुलाकात के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा बिजली बिल वसूली व्यवस्था को लेकर उठा। पंचायत ने आरोप लगाया कि बीएलएस (फिनटेक) कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं से बिजली बिल की राशि जमा करने के बावजूद विभागीय रिकॉर्ड में भुगतान दर्ज न होने जैसी शिकायतें सामने आई थीं, जिस पर कार्रवाई भी की गई। इसके बावजूद अन्य निजी एजेंसियों को कैश काउंटर संचालन सौंपे जाने पर संगठन ने नाराजगी जताई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि मेसर्स सरल समेत सभी निजी एजेंसियों को दिए गए कैश काउंटरों का संचालन विभागीय कर्मचारियों के माध्यम से कराया जाए। साथ ही पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा संबंधित कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि होना चाहिए। जिन उपभोक्ताओं के भुगतान रिकॉर्ड में विसंगतियां सामने आई हैं, उनके भुगतानों का सत्यापन कर उन्हें राहत दी जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में ओ.पी. सिंह, जिउतलाल, अंकुर पाण्डेय, श्यामलाल और के.पी. दुबे समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पंचायत की प्रमुख मांगों में सभी कैश काउंटरों पर विभागीय कर्मचारियों की तैनाती, कथित फर्जीवाड़े के मामले में एफआईआर दर्ज हो, संबंधित कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए, प्रभावित उपभोक्ताओं के भुगतान का सत्यापन हो।

मुंबई भाजपा महिला मोर्चा ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात, महिला सुरक्षा पर उठाए अहम मुद्दे

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, मुंबई की ओर से पुलिस कमिश्नर देवेन भारती से महिला सुरक्षा और शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर अहम बैठक की गई। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा ने किया। बैठक के दौरान महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, रेप की घटनाएं, मुंबई शहर में बढ़ते ड्रग्स के इस्तेमाल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। महिला मोर्चा की ओर से पुलिस प्रशासन को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा गया। महिला मोर्चा ने संवेदनशील इलाकों में विशेष पुलिस टीम की तैनाती, एंटी-ड्रग अभियान चलाने, पुलिस ताई माझी आईह पहल को मजबूत करने, डिलीवरी ऐप कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य करने और सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ गंदी भाषा एवं धमकियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल में महिला मोर्चा मुंबई अध्यक्ष योजना ठोकले, महासचिव अंकिता चौधरी सावे, राजश्री नाइक, सारिका पवार, आरती निजापकर, श्रद्धा सुर्वे, ज्योति दुराफे और पायल शाह शामिल रहीं। महिला मोर्चा ने उम्मीद जताई कि मुंबई पुलिस प्रशासन शहर को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और सभ्य बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाएगा।

इंदौर में मास्टर प्लान की सड़क में बाधा बने मकान तोड़े गए

इंदौर - (उत्तर शक्ति) इंदौर में लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंकी चौराहे तक मास्टर प्लान की सड़क बनने में बाधक 16 मकान के अवैध हिस्से को गुरुवार को नगर निगम की टीम ने हटा दिया टीम जेसीबी और पोकलेन मशीन लेकर पहुंची और अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई शुरू की इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था ।नगर निगम ने मास्टर प्लान की सड़क में बाधा बन रहे मकान के मालिकों को पहले ही नोटिस दिया था। उनसे निर्माण में बाधक हिस्सा तोड़ने को कहा गया था। इस पर कई लोगों ने खुद ही सड़क में बाधा बन रहे हिस्से को हटा लिया था, जबकि 16 मकान मालिकों ने नगर निगम की बात नहीं मानी थी। नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी अंकेश बिरथरिया ने बताया कि नगर निगम की टीम दलबल के साथ कार्रवाई के लिए मैदान में उतरी। निगम की 4 से ज्यादा टीमें इसमें लगी रही , 5 पोकलेन और 5 जेसीबी मशीनों से मकानों के अवैध हिस्सों को तोड़ा जा रहा है। दोपहर तक तोड़ने का काम पूरा होगा गया। उन्होंने बताया कि यहां कार्रवाई करने के लिए पहले ही नगर निगम द्वारा यहां के रहवासियों को नोटिस जारी कर दिए थे। यहां पर कुल 78 मकान हैं। इनमें से कई रहवासियों ने खुद ही बाधक हिस्सों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी थी, लेकिन 16 मकान मालिकों ने बाधक हिस्सों को नहीं हटाया, जिसके चलते नगर निगम कमिश्नर के ऑर्डर पर कार्रवाई की गई।

हालांकि इस दौरान कोई विवाद की स्थिति नहीं बनी। बता दें कि कुछ दिनों पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी यहां पर दौरा करने पहुंचे थे, उन्होंने ने भी यहां रहवासियों से बातचीत की थी और खुद से ही बाधक हिस्सों को हटाने के लिए कहा गया था। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालु भक्तों की भीड़

जौनपुर। जनपद जौनपुर के रामनगर भडसरा(शिवापार) में मुख्य यजमान मंगरू त्रिपाठी एडवोकेट एवं पंडित सुरेश चंद्र त्रिपाठी के निवास पर आचार्य पंडित धर्मराज तिवारी जी के मुखारविंद से भव्य श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ चल रहा है। पत्रकार आदेश मिश्र ने जानकारी दी है कि प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विद्वानों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। कथा श्रवण के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान है। इसी क्रम में जनपद सुल्तानपुर से पधारे लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ह्लरिंकूह्व अपने सहयोगियों के साथ कथा में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान महाराज जी को माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में दिनेश त्रिपाठी, अवधेश त्रिपाठी, अखिलेश त्रिपाठी, रत्नेश त्रिपाठी, कमलेश त्रिपाठी, विवेक त्रिपाठी, डॉ. अतुल त्रिपाठी, शुभम सिंह, योगेश त्रिपाठी, अविनाश त्रिपाठी, नितेश, विक्रम, रुपेश, विशाल, अनिकेत, शाश्वत, शात्विक, कृष्णा एवं योगांश त्रिपाठी सहित परिवार के समस्त सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

डूंगरपुर में फ्लोरा फाउंडेशन और मुस्कान संस्था की सराहना

जहाँ देवालय वहां विद्यालय अभियान के तहत गुरुकुल की स्थापना

मुंबई। राजस्थान के डूंगरपुर में फ्लोरा फाउंडेशन और मुस्कान संस्था ने संयुक्त रूप से एक सराहनीय पहल की है। इन संस्थाओं ने जहां देवालय वहां विद्यालय अभियान के तहत फ्लोरा फाउंडेशन गुरुकुल की स्थापना की है जिसमें बच्चों को शिक्षा, संस्कारऔर आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया जाएगा। प. पु.जैन मुनि श्री जिन रत्नविजय जी म. सा. के पावन सानिध्य में यह कार्यक्रम फ्लोरा फाउंडेशन के ट्रस्टी और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी और मुस्कान के चेयरमैन भरत नागड़ा जी जैन द्वारा संचालित किया जा रहा है। बाबूभाई भवानजी ने बताया कि इस आश्रम शाला में छात्रों को शास्त्रों का ज्ञान, संस्कार, देशभक्ति, इंसानियत, स्वरोजगार, सेल्फ डिफेंस, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्य और आत्मनिर्भरता की शिक्षा दी जाएगी। भवानजी ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नति वहाँ की शिक्षा पद्धति पर निर्भर करती है। हमारे देश में स्वतन्त्रता के बाद शिक्षा क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है और वर्तमान में कला, वाणिज्य, विज्ञान, चिकित्सा आदि अनेक विषयों के विभिन्न संवर्गों में शिक्षा का गुणात्मक प्रसार हो रहा है। फिर भी एक कमी यह है कि यहाँ नैतिक शिक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता है। इससे युवा पीढ़ी संस्कारहीन और कोरी

भौतिकतावादी बन रही है।

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में विद्याश्रमों में चारित्रिक उत्कर्ष के लिए नैतिक शिक्षा पर बल दिया जाता था। उस समय विद्यार्थियों में नैतिक आदर्शों को अपनाने की होड़ लगी रहती थी। लेकिन भारत सैकड़ों वर्षों तक पराधीन रहा, जिससे शिक्षा का स्वरूप चरित्रझनिर्माण न होकर केवल अथोर्पाजन रह गया। इस कारण यहाँ नैतिक शिक्षा का ह्रास हुआ। ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा, परोपकार, समाज सेवा, उदारता, सद्भावना, मानवीय संवेदना तथा उदात्त आचरण आदि का अभाव इसी नैतिक शिक्षा के ह्रास का परिणाम माना जाता है। भवानजी ने कहा कि हमारे मनीषियों ने वर्तमान शिक्षा पद्धति के गुण-दोषों का चिन्तन कर नैतिक शिक्षा के प्रसार का समर्थन किया। फलस्वरूप प्राथमिकझमाध्यमिक शिक्षाझस्तर पर नैतिक शिक्षा का समायोजन किया जाने लगा है। प्राचीन नीति-शिक्षा से सम्बन्धित आख्यानों, कथाओं एवं ऐतिहासिक महापुरुषों के चरित्रों आदि को आधार बनाकर नैतिक शिक्षा की पाठ्य-सामग्री तैयार की गयी है। वस्तुतः विद्यार्थी जीवन आचरण की पाठशाला है। अतः विद्यार्थी को जैसी शिक्षा दी जायेगी, जैसे संस्कार उसे दिये जायेंगे, आगे चलकर वह वैसा ही नागरिक बनेगा। इस बात का ध्यान रखकर नैतिक शिक्षा का समायोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा की उपयोगिता व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इन सभी के लिए है। विद्यार्थी जीवन में तो नैतिक शिक्षा का विशेष महत्त्व और उपयोगिता है। नैतिक शिक्षा के द्वारा ही विद्यार्थी अपने चरित्र एवं व्यक्तित्व का सुन्दर निर्माण कर भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। देश के भावी नागरिक होने से उनसे समस्त राष्ट्र को नैतिक आचरण का लाभ मिलता है। देश में उच्च आदर्शों, श्रेष्ठ परम्पराओं एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना भी तभी हो पाती है। अतएव उज्ज्वल जीवन-निर्माण के लिए नैतिक शिक्षा की विशेष उपयोगिता है। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्तित्व के उत्कर्ष का, संस्कारित जीवन तथा समस्त समाज-हित का प्रमुख साधन है। इससे भ्रष्टाचार, स्वार्थपरता, प्रमाद, लोलुपता, छल-कपट तथा असहिष्णुता आदि दोषों का निवारण होता है। मानवतावादी चेतना का विकास भी इसी से सम्भव है। जीवन का विकास उदात्त एवं उच्च आदर्शों से होता रहे, इसके लिए नैतिक शिक्षा की महती आवश्यकता है।

मोनू कश्यप हत्याकांड पर गरमाई सियासत, सांसद इकरा हसन पीड़ित परिवार को लेकर पहुंचीं लखनऊ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहारनपुर के चर्चित मोनू कश्यप हत्याकांड को लेकर अब सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन अपने समर्थकों को जेल से रिहा करवाने के बाद सीधे लखनऊ पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार और मोनू कश्यप की बुजुर्ग मां की मुलाकात अखिलेश यादव और डिम्पल यादव से कराई। परिवार ने सपा नेतृत्व से इंसाफ दिलाने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इस पूरे घटनाक्रम के बाद सहारनपुर पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। विपक्ष का आरोप है कि DIG सहारनपुर द्वारा मांगेराम कश्यप जैसे बड़े कश्यप नेता को बेवजह जेल भेजा गया, जिससे समाज में नाराजगी बढ़ी है। वहीं, मोनू कश्यप की मां के साथ कथित सख्त व्यवहार को लेकर भी सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मामला अब केवल हत्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सम्मान, पुलिस प्रशासन की संवेदनशीलता और सरकार की छवि से भी जुड़ गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कश्यप समाज के बीच इस मुद्दे को लेकर लगातार हलचल देखी जा रही है। फिलहाल, इस पूरे प्रकरण ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है और आने वाले दिनों में मामला और तूल पकड़ सकता है।

राकेश राजपुरोहित कांग्रेस के मीरा-भयंदर जिलाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। मीरा-भायंदर में संगठन सर्जन कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी द्वारा राकेश चंदनसिंह राजपुरोहित को जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र के राजस्थानी समाज में हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं 36 कौम के प्रतिनिधियों ने इस नियुक्ति पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के प्रति आभार व्यक्त किया है। राकेश राजपुरोहित लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं तथा कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। हिंदी भाषियों एवं राजस्थानी समाज के हितों के लिए सदैव तत्पर रहने वाले राजपुरोहित सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे हैं। इस नियुक्ति पर राकेशसिंह राजपुरोहित को बधाई देने वालों में सुमेरपुर पंचायत समिति के भूतपूर्व प्रधान एवं आदर्श होटल परिवार के ज्येष्ठ पृथ्वीराज पुरोहित बसंत, इंडियाप्रेस के जगदीश पुरोहित के साथ क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों एवं समर्थकों ने खुशी व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

पूर्वांचल विकास परिवार ने किया युवा समाजसेवी मानिकचंद यादव का सम्मान

मुंबई। पूर्वांचल राज्य के गठन से लेकर वहां की बुनियादी समस्याओं के निराकरण के लिए सतत प्रयत्नशील सामाजिक संस्था पूर्वांचल विकास परिवार द्वारा आज युवा समाजसेवी मानिकचंद यादव के जन्मदिन के उपलक्ष में सम्मान किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मानिकचंद यादव हर व्यक्ति के सुख-दुख में पहुंचने वाले इंसान हैं। इनके सामाजिक कार्यों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जौनपुर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई लेखपाल भर्ती परीक्षा, 7802 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद के 21 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित लेखपाल भर्ती की मुख्य परीक्षा सकुशल, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा के सफल संचालन हेतु 21 जोनल मजिस्ट्रेट, 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 05 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। इसके अलावा 21 स्टैटिक मजिस्ट्रेट और 10 आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी लगाए गए थे। परीक्षा एक पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित हुई। जिलाधिकारी एवं नोडल अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज, विधि महाविद्यालय पीलीकोठी एवं जीजीआईसी इंटर कॉलेज सहित कई केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। लेखपाल भर्ती परीक्षा में कुल 9696 अभ्यर्थियों में से 7802 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 1894 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए। प्रशासन ने परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न होने पर संतोष व्यक्त किया है।

बेटियों ने स्वर्ण पदक जीत बढ़ाया क्षेत्र का मान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेपाल के लुंबनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओपन कराटे चैंपियनशिप में केडी कराटे स्पोर्ट अकादमी के खिलाड़ी अंशिका वेनवंशी व गीतिका वेनवंशी प्रतियोगिता में खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेंडल अपने नाम किया ।पदक जीतने के बाद दोनों खिलाड़ी अपने गांव डेढूवाना पहुंची जहां ग्रामीणों ने पहले से ही अपने होनहार बेटी के सफलता पर स्वागत समारोह आयोजित कर उन्हें जीत की बधाई दी ।वक्ताओं ने दोनों खिलाड़ी के जीत को गौरवपूर्ण व क्षेत्र के युवा लड़कियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया ।वही दोनों खिलाड़ियों ने जीत का श्रेय माता - पिता व कोच सोनू यादव की कड़ी मेहनत को बताया ।इस अवसर पर अजीत सिंह (प्रधान),अतुल सिंह (बब्बू) ,विजय सिंह ,बबलू सिंह ,रामानुज पाल(मुंबई पुलिस) राजवंश चौहान (यूपी पुलिस) महेंद्र यादव ,कतवारु सिंह ,रामचंद्र पाल ,चंद्रेश यादव ,रामरूप बेनवंशी ,श्यामरूप बेनवंशी, गुलाब बेनवंशी, राजकुमार बेनवंशी ,विकास ,अर्पण समेत आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने अपर्णा यादव से मिल जताया शोक

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भाजपा नेत्री अपर्णा यादव के आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। अरशद खान ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने भी दिवंगत को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

जौनपुर दूल्हा हत्याकांड में न्याय की मांग तेज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के चर्चित दूल्हा हत्याकांड को लेकर अब जनआक्रोश बढ़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आजमगढ़ के सामाजिक एवं राजनीतिक नेता एहसान खान धरने पर बैठ गए हैं। धरने के दौरान एहसान खान ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को इंसाफ नहीं मिलता और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग जुटे और पीड़ित परिवार के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दूल्हे की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है और अब जनता न्याय चाहती है। एहसान खान ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और बड़ा रूप दिया जाएगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। दूल्हा हत्याकांड को लेकर जौनपुर समेत आसपास के जिलों में भी चर्चा तेज है और लोग लगातार पीड़ित परिवार के समर्थन में सामने आ रहे हैं।

स्नेहा दुबे पंडित ने अवि सुरेश चावडे को वसई सिटी फिशरमेन कोऑडिनेटर बनाया

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र में फिशरीज प्लान 2025 और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर प्रोजेक्ट को अच्छे से लागू करने और अलग-अलग डिपार्टमेंट के साथ कोऑर्डिनेट करके प्लान के हिसाब से एक्शन लेने के मकसद से, वसई सिटी बोर्ड फिशरमैन सेल कोऑर्डिनेटर अवि सुरेश चावंडे को कोऑर्डिनेटर बनाया गया। इस मौके पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उन्हें सिलेक्शन लेटर दिया और उनके आगे के काम के लिए शुभकामनाएं दीं। यह प्रोजेक्ट लोकल फिशरीज को बढ़ावा देने और कोस्टल इलाकों के लोगों को रोजगार, ट्रेनिंग और डेवलपमेंट के नए मौके देने में अहम रोल निभाएगा। स्नेहा दुबे पंडित ने भरोसा जताया कि इससे वसई के डेवलपमेंट को और तेजी मिलेगी।

घर-घर पहुंचेगी विकास की दस्तक, आज से शुरू होगी जनगणना की बड़ी कवायद

वाराणसी। शहर की गलियों से लेकर गांवों की चौपालों तक अब विकास की नई तस्वीर दर्ज होने जा रही है। जनपद में जनगणना-2027 के तहत वास्तविक जनगणना कार्य शुक्रवार 22 मई से शुरू होकर 20 जून तक चलेगा। इसके लिए प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशिक्षित प्रगणकों और सुपरवाइजरों की तैनाती कर दी गई है और उन्हें संबंधित क्षेत्र के नक्शे, ड्यूटी कार्ड तथा जनगणना किट उपलब्ध करा दी गई हैं।

जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। सही आंकड़े ही भविष्य की योजनाओं का आधार बनते हैं और इसी के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार तथा अन्य विकास कार्यों की दिशा तय होती है।

डीएम ने कहा कि सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने निर्धारित क्षेत्रों में भौतिक रूप से पहुंचकर पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य संपादित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। जनगणना कार्य को निष्पक्षता और समयबद्धता के साथ पूरा करना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रशासन की ओर से यह भी सुनिश्चित किया गया है कि तैनात किए गए सभी कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त हों और जनगणना प्रक्रिया की बारीकियों से परिचित हों। उन्हें घर-घर जाकर सूचनाओं के संकलन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी स्तर पर भ्रम या त्रुटि की स्थिति न बने। इस बार जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना से जुड़ी सूचनाओं का संकलन किया जाएगा। यह प्रक्रिया सीमित समयावधि में पूरी की जानी है। ऐसे में नागरिकों से अपेक्षा की गई है कि जब जनगणना दल उनके घर पहुंचे तो वे सही और पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रशासन का कहना है कि नागरिकों द्वारा दी गई सटीक जानकारी आने वाले वर्षों में विकास योजनाओं की नींव तय करेगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना दल को सहयोग देना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि सभी लोग जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाते हैं तो वाराणसी जनगणना-2027 में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हो सकता है।

उन्होंने अब तक नागरिकों से मिले सहयोग के लिए आभार भी जताया और कहा कि सामूहिक प्रयास से ही यह अभियान सफल होगा। प्रशासन की कोशिश है कि जनगणना का कार्य पारदर्शी, त्रुटिरहित और समयसीमा के भीतर पूरा हो। जनगणना को लेकर प्रशासन की ओर से दो संदेश भी दिए गए हैं।